गेल भवन,
16 भीकाएजी कामा प्लेस
नई दिल्ली-110066, इंडिया
GAIL BHAWAN,
16 BHIKAIJI CAMA PLACE
NEW DELHI-110066, INDIA
फोन/PHONE : +91 11 26182955
फैक्स/FAX : +91 11 26185941
ई–मेल/E-mail : info@gail.co.in

गेल (इंडिया) लिमिटेड
(भारत सरकार का उपक्रम – महारत्न कंपनी)
GAIL (India) Limited
(A Government of India Undertaking - A Maharatna Company)

सं.:न.दि./गेल/सचि/2017 20 मार्च, 2017

1. सूचीकरण विभाग नेशनल स्टॉक एक्सचेंज ऑफ इंडिया लिमिटेड एक्सचेंज प्लाजा, 5वीं मंजिल प्लॉट सं. सी/1, जी ब्लॉक, बांद्राक्सकुर्ला कॉम्प्ले-, बांद्रा (पूर्व) **मुंबई-400 051**	2. **सूचीकरण विभाग** बीएसई लिमिटेड पहली मंजिल, फिरोज जीजीभोय टॉवर्स, दलाल स्ट्रीट, **मुंबई-400001**

प्रिय महोदय,

कृपया **"भुबनेश्वर और कटक में माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय श्री धर्मेन्द्र प्रधान द्वारा शहर गैस वितरण (सीजीडी) परियोजना का शुभारंभ"** पर प्रेस विज्ञप्ति की संलग्न प्रति प्राप्त करें।

यह आपकी जानकारी एवं रिकॉर्ड हेतु प्रेषित है।

सधन्यवाद,

भवदीय,
हस्ता.
(ए. के. झा)
कंपनी सचिव
संलग्नक : उपर्युक्तानुसार

<u>प्रतिलिपि</u> :

ड्यूश-बैंक एजी, फिलीअले मुंबई
टीएसएस एवं ग्लोबल इक्विटी सेवाएं,
द कैपिटल, 14वीं मंजिल,
सी-70, जी ब्लॉक,
बांद्रा कुर्ला कॉम्प्लेक्स, मुंबई-400051

गेल (इंडिया) लिमिटेड

प्रेस विज्ञप्ति

भुबनेश्वर और कटक में माननीय राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार), पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस मंत्रालय श्री धर्मेन्द्र प्रधान द्वारा शहर गैस वितरण (सीजीडी) परियोजना का शुभारंभ

- "प्रधानमंत्री ऊर्जा गंगा" परियोजना के द्वारा प्राकृतिक गैस ओडीसा पहुंचेगी।
- "ऊर्जा गंगा" का सबसे बड़ा स्ट्रेच ओडीसा में डाला जाएगा।
- 5 लाख घरों को पीएनजी और 1.5 लाख गाड़ियों को सीएनजी मिलेगी।
- "ऊर्जा गंगा" और सीजीडी परियोजना में होगा 5,700 करोड़ रुपये का निवेश।
- गेल के ओडीसा कार्यालय का भी उद्घाटन हुआ।

भुबनेश्वर, 18 मार्च 2017: पर्यावरण अनुकूल प्राकृतिक गैस की शक्ति से प्रेरित ओडीसा में आर्थिक विकास और सुविधाओं के एक नए युग का शुभारंभ करते हुए माननीय पेट्रोलियम और प्राकृतिक गैस राज्य मंत्री (स्वतंत्र प्रभार) श्री धर्मेन्द्र प्रधान ने भुबनेश्वर और कटक की शहर गैस वितरण (सीजीडी) परियोजना के कार्यान्वयन का उद्घाटन माननीय संसद सदस्य (भुबनेश्वर) डॉ. प्रसन्न कुमार पाटसाणी, माननीय संसद सदस्य (कटक) श्री भर्तुहरी महताब तथा अन्य गणमान्य अतिथियों की उपस्थित में किया।

यह कार्यक्रम माननीय प्रधानमंत्री श्री नरेन्द्र मोदी के गैस आधारित अर्थव्यवस्था के विकास और पूर्वी भारत को जगदीशपुर-हल्दिया और बोकारो-धामरा प्राकृतिक गैस पाइपलाइन (जेएचबीडीपीएल) के द्वारा देश के प्राकृतिक गैस ग्रिड से जोड़ने के अभियान की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है। यह पाइपलाइन, जिसे आम तौर पर "प्रधानमंत्री ऊर्जा गंगा" के नाम से जाना जाता है, पांच राज्यों अर्थात उत्तर प्रदेश, बिहार, झारखंड ओडीसा और पश्चिम बंगाल से होकर गुजरेगी तथा इसका 762 किलोमीटर का सबसे लम्बा स्ट्रेच ओडीसा में बनाया जाएगा।

श्री धर्मेन्द्र प्रधान ने पाइपलाइन और सीजीडी परियोजना के कार्यान्वयन के लिए गेल के ओडीसा कार्यालय का भी उद्घाटन किया।

भुबनेश्वर सीजीडी परियोजना के निर्माण पर लगभग 1,000 करोड़ रुपये की पूंजी व्यय की जाएगी। इससे कोरधा जिले के लगभग 25 लाख लोगों को लाभ होगा और लगभग 2.5 लाख घरों को पर्यावरण अनुकूल, सुरक्षित तथा किफायती पाइप्ड प्राकृतिक गैस (पीएनजी) की आपूर्ति की जाएगी। इसके अलावा, पहले तीन से पांच वर्ष के अंदर 24 सीएनजी स्टेशन लगभग 1 लाख गाड़ियों को कम्प्रेस्ड नेचुरल गैस (सीएनजी) की आपूर्ति हेतु खोलें जाएंगे।

इसी तरह कटक सीजीडी परियोजना पर भी लगभग 750 करोड़ रुपए की पूंजी व्यय होगी। लगभग 26 लाख लोग इस परियोजना से लाभान्वित होंगे जबकि 2.5 लाख घरों को पीएनजी कनेक्शन दिया जाएगा। इसके अलावा, अगले तीन से पांच वर्षों के अंदर 20 सीएनजी स्टेशन लगाए जाएंगे और उनसे 50,000 गाड़ियों को सीएनजी प्रदान की जाएगी।

गैस आधारित औद्योगिक केन्द्रों की स्थापना हेतु उद्योगों और व्यावसायिक प्रतिष्ठानों को प्राकृतिक गैस भी उपलब्ध कराई जाएगी। इन दो सीजीडी नेटवर्क हेतु लगभग 2,000 किलोमीटर स्टील की तथा एमडीपीई पाइपलाइन डाली जाएगी। प्रधानमंत्री ऊर्जा गंगा के आगमन से हजारों लोगों को प्रत्यक्ष एवं परोक्ष रोजगार मिलने की भी संभावना होगी।

2,619 कि.मी. लम्बी जेएचबीडीपीएल परियोजना का निष्पादन 12,940 करोड़ रुपए की लागत से किया जाएगा जिसमें भारत सरकार का 40% पूंजीगत अनुदान (अर्थात रु. 5,176 करोड़) शामिल है। यह उत्तर प्रदेश (342 कि.मी.), बिहार (441 कि.मी.), झारखण्ड (524 कि.मी.), पश्चिम बंगाल (550 कि.मी.) तथा ओडीसा (762 कि. मी.) से होकर गुजरेगी। इस पाइपलाइन से उर्वरक क्षेत्र, विद्युत क्षेत्र, रिफाइनरी, स्टील, सीजीडी तथा अन्य क्षेत्रों को प्राकृतिक गैस की आपूर्ति की जाएगी।

इस पाइपलाइन के मार्ग में पड़ने वाले गोरखपुर (उत्तर प्रदेश), बरौनी (बिहार) और सिंद्री (झारखण्ड) के उर्वरक संयंत्रों को सुनिश्चित गैस आपूर्ति के साथ पुनर्जीवित किए जाने की मंजूरी प्रदान की गई है। इसके अलावा, इस पाइपलाइन से दुर्गापुर (पश्चिम बंगाल) के मैट्रिक्स फर्टीलाइज़र प्लांट की गैस आवश्यकताओं की पूर्ति की जाएगी। इन चार प्रमुख उर्वरक संयंत्रों से निरंतर पूरा उत्पादन होने पर पूर्वी राज्यों में उर्वरक की समय पर पर्याप्त उपलब्धता सुनिश्चित की जा सकेगी जिसके परिणाम स्वरूप कृषि क्षेत्र के भरपूर विकास में सफलता मिलेगी।

गेल को पाइपलाइन के मार्ग में पड़ने वाले सात शहरों नामतः भुबनेश्वर, कटक, वाराणसी, पटना, जमशेदपुर, कोलकाता और रांची में सीजीडी नेटवर्क के विकास की जिम्मेदारी भी सौंपी गई है।

ओडीसा में पाइपलाइन का निर्माण लगभग 4,000 करोड़ रुपए की लागत से किया जाएगा और इसकी लम्बाई 762 कि.मी. होगी तथा यह 13 जिलों अर्थात भद्रक, जाजपुर, धेन्कानल, अंगुल, सुंदरगढ़, संबलपुर, झारसुगड़ा, देबगड़, जगतसिंहपुर, कटक, कोरधा, पुरी और केन्द्रपाड़ा को कवर करेगी।

गेल (इंडिया) लिमिटेड भारत की नं.1 एकीकृत प्राकृतिक गैस कंपनी है जिसकी प्राकृतिक गैस संचरण में 75% से अधिक बाज़ार हिस्सेदारी है। अपने 11,000 कि. मी. के प्राकृतिक गैस नेटवर्क के द्वारा गेल पूरे भारत में विद्युत उर्वरक, औद्योगिक, आटोमोटिव और घरेलू उपभोक्ताओं की ऊर्जा आवश्यकताओं की पूर्ति करता है। प्राकृतिक गैस संचरण, वितरण और प्रोसेसिंग के अलावा कंपनी ने पेट्रोकेमिल, एलपीजी संचरण, शहर गैस परियोजनाओं तथा अन्वेषण एवं उत्पादन की गतिविधियों में भी अपने व्यावसायिक हितों को विस्तारित किया है। कंपनी अगले पांच वर्षों में अपने नेटवर्क को 18,000 किलोमीटर तक विस्तारित किए जाने के लिए प्रतिबद्ध है।